फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 77 संख्याः 27 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 28 अगस्त, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

B. N. SIRCAR – FOUNDER OF NEW THEATRES

Sircar's father was very angry with his son's choice of stepping into the risky film industry and is said to have thrown the newspaper carrying the news of the inauguration at him

The Mansion That Became a Necklace

'मूड ऑफ द नेशन सर्वे का झुकाव इंडिया ब्लॉक की तरफ है यूपी में'

इंडिया टुडे ग्रुप द्वारा करवाए गए इस सर्वे में यूपी की लोकसभा की 41 सीटें इंडिया ब्लॉक को व 38 सीटें एनडीए को मिलती दिखाई गई हैं। यह संख्या इतनी महत्वपूर्ण नहीं है, जितना महत्वपूर्ण यह ट्रेंड है

- सुकुमार साह -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 27 अगस्त। उत्तर प्रदेश भाजपा के लिए संभावित चिंता का कारण बनता जा रहा है। ताजा इंडिया टुडे मूड ऑफ द नेशन (एमओटीएन) सर्वे के मुताबिक, यदि अभी लोकसभा चुनाव होते हैं तो राज्य में इंडिया गठबंधन भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए पर मामूली बढ़त हासिल कर सकता है।

कुल 80 लोकसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश किसी भी राष्ट्रीय चुनावी गणित के लिए बेहद अहम है, इसलिए ये नतीजे महत्वपूर्ण हैं। अगस्त 2026 के एमओटीएन सर्वे में इंडिया गठबंधन को 41 सीटें और एनडीए को 38 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है। जनवरी के सर्वे की तुलना में एनडीए का अनुमानित आंकड़ा 48 से घटकर 38 सीट रह गया है, जबकि इंडिया गठबंधन की सीटें 31 से बढ़कर 41 हो गई हैं।

- **सर्वे के नतीजे भाजपा के लिए चिंताजनक चेतावनी लगते हैं, क्योंकि जनवरी में हुए सर्वे में एनडीए को 48 सीटें मिलती दिख रही थीं, जो इस सर्वे में घटकर 38 रह गई हैं, जबकि जनवरी में इंडिया ब्लॉक को 31 सीटें मिल रही थीं, वो बढ़कर 41 हो गई हैं।**
- **वोट शेयर के आंकड़े भी इस बदलाव की पुष्टि करते हैं। यूपी में इंडिया ब्लॉक को 40 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है, एनडीए का वोट शेयर 42 प्रतिशत रहने का अनुमान हैं, जो जनवरी की तुलना में 5 प्रतिशत कम है।**
- **दोनों गठबंधनों के बीच वोट प्रतिशत का घटता अंदर एनडीए के लिए चिंताजनक संकेत है।**
- **मूड ऑफ द नेशन सर्वे एक द्विवार्षिक सर्वे है, जो करीब दो दशक से आयोजित हो रहा है।**

वोट शेयर के आंकड़े भी इस बदलाव की पुष्टि करते हैं। उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को 40 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है, जो जनवरी के मुकाबले दो प्रतिशत कम है। वहीं एनडीए का वोट शेयर 42 प्रतिशत रहने का अनुमान है, लेकिन जनवरी के अनुमान की तुलना में इसमें पांच प्रतिशत की गिरावट आई है। दोनों गठबंधनों के बीच घटता अंतर संकेत देता है कि उत्तर प्रदेश में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन का चुनावी आधार दबाव में आ सकता है।

ये आंकड़े 2024 के लोकसभा चुनाव के नतीजों से भी काफी हद तक मेल खाते हैं। उस चुनाव में उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन ने 43 सीटें, जबकि एनडीए ने 36 सीटें जीती थीं। ताजा अनुमान में, गठबंधन 2024 के अपने आंकड़े से सिर्फ दो सीट पीछे और अपने पिछले प्रदर्शन से दो सीट आगे दिखाई दे रहा है।

सबसे महत्वपूर्ण बात जनवरी 2026 के सर्वे से हुआ बड़ा बदलाव है। उस समय एनडीए को 48 सीटें मिलने का अनुमान था, जो इंडिया गठबंधन की 31 सीटों से काफी आगे था। छह महीने बाद अनुमानित राजनीतिक संतुलन विपक्षी गठबंधन के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मराठी सीखने के लिए एक साल की मोहलत

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 27 अगस्त। महाराष्ट्र में गैर-मराठी ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालकों को बातचीत के लायक मराठी सीखने के लिए एक साल की अतिरिक्त मोहलत मिल गई है। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने लाइसेंस और परमिट रद्द करने की प्रस्तावित नीति को फिलहाल रोक दिया है।

यह फैसला परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक द्वारा यह घोषणा किए जाने के कुछ ही दिनों बाद आया है कि मराठी

- **ऑटो रिक्शा और टैक्सी ड्राइवर्स ऑर्गनाइज़ेशन के आग्रह पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने यह आदेश दिया।**

बोलने में सक्षम नहीं होने वाले चालकों के लाइसेंस और परमिट रद्द किए जा सकते हैं। अब फडणवीस ने चालकों को एक साल का समय और दिया है और कहा है कि इस अवधि के दौरान भाषा की अनिवार्यता पूरी न करने पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालक संगठनों के प्रतिनिधियों ने उनसे मुलाकात की थी और चालकों को मराठी सीखने के लिए एक अतिरिक्त वर्ष देने का अनुरोध किया था। सरकार ने उनकी मांग स्वीकार करते हुए यह मोहलत देने का फैसला किया है।

महाराष्ट्र सरकार ने यह फैसला 24

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लॉ स्टूडैंट्स में सीजेआई सूर्यकांत का विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा

छात्रों के विरोध के कारण बैंगलूरु के नैशनल लॉ स्कूल युनिवर्सिटी का 34वां दीक्षांत समारोह भी रद्द कर दिया गया

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 27 अगस्त। देश के न्यायिक क्षेत्र से जुड़े एक और विवाद में नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू), बेंगलुरु ने अपना 34वां वार्षिक दीक्षांत समारोह रद्द कर दिया है। छात्रों के एक समूह ने समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा की संभावित मौजूदगी का कड़ा विरोध किया था।

इस महीने की शुरुआत में हैदराबाद की नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ में भी विवाद खड़ा हो गया था, जब नलसार के 1,400 छात्रों में से करीब 450 छात्रों ने दीक्षांत समारोह में भारत के मुख्य न्यायाधीश को आमंत्रित किए जाने के खिलाफ अभियान शुरू किया था।

नलसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ की निर्वाचित छात्र संस्था "स्टूडेंट बार काउंसिल" ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया की निंदा की थी। बीसीआई ने

- **युनिवर्सिटी के छात्रों ने वार्षिक दीक्षांत समारोह में सीजेआई सूर्यकांत और बार काउन्सिल ऑफ इंडिया के प्रमुख मनन कुमार मिश्रा को मुख्य अतिथि बनाने पर विरोध जताया था।**
- **यह कार्यक्रम 12 सितम्बर को होना था। अब छात्रों को डिग्रियाँ कूरियर की जाएंगी, छात्र इन्हें युनिवर्सिटी से भी ले सकेंगे।**
- **ज्ञातव्य है कि हैदराबाद की नलसार युनिवर्सिटी ऑफ लॉ के दीक्षांत समारोह को भी रद्द करना पड़ा था, क्योंकि छात्रों ने सीजेआई को मुख्य अतिथि बनाने का विरोध किया था।**

पहले 2026 में नलसार से पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों के बैच, पर अब वापस लिया जा चुका, प्रतिबंध लगाया था। छात्र संस्था ने बीसीआई के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा से छात्रों और शिक्षकों के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों के लिए माफी मांगने की भी मांग की थी।

एनएलएसआईयू का दीक्षांत समारोह 12 सितंबर को होना था और बताया गया था कि भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और बीसीआई अध्यक्ष मिश्रा को समारोह में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इस फैसले से छात्र नाराज हो गए थे।

एनएलएसआईयू की ओर से जारी एक सूचना के अनुसार, दीक्षांत समारोह को अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण रद्द कर दिया गया है और स्नातकों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

5 स्टार में 10 दिन छुट्टी बिताई, 5.74 लाख रूपए का बिल नहीं दिया

उदयपुर के ओबेरॉय उदय विलास होटल ने इस घटना पर क्षेत्रीय थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 27 अगस्त। दिल्ली के चार लोगों के एक परिवार ने उदयपुर के आलीशान ओबेरॉय उदयविलास होटल में 10 दिन छुट्टी बिताई और, कथित तौर, पर चेकआउट के समय होटल का बिल देने से इनकार कर दिया। खबरों के अनुसार, 12 अगस्त 2026 को अनुराग यादव नाम के एक व्यक्ति ने मेकर बहा ट्रैवल एजेंसी के जरिए इस 5-स्टार होटल में बुकिंग कराई थी। वह 14 से 23 अगस्त तक अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ होटल में ठहरा। परिवार ने कथित तौर पर होटल की कई सेवाओं का इस्तेमाल किया, जिनमें दोपहर और रात का खाना भी शामिल था।

चेकआउट के समय परिवार को

- **नई दिल्ली के अनुराग यादव ने अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ होटल में 10 दिन स्टे किया और होटल की कई सेवाओं का उपयोग किया। पर, चैक आउट के समय 5.74 लाख रूपए का बिल देने से मना कर दिया।**
- **अनुराग यादव ने कहा कि मेकर बाहा ट्रैवल एजेंसी, जिसके जरिए उसने होटल बुक कराया था, ही यह रकम चुकाएगी। ट्रैवल एजेंसी ने भी रकम चुकाने से इन्कार कर दिया और कहा कि बुकिंग के समय यादव से ऐसी कोई बात नहीं हुई थी।**

10 दिन ठहरने का 5.74 लाख रुपये का बिल दिया गया। लेकिन यादव ने कथित तौर पर भुगतान करने से इनकार कर दिया और कहा कि ट्रैवल एजेंसी यह रकम चुकाएगी। लेकिन ट्रैवल एजेंसी ने कहा है कि बुकिंग के समय उसके और यादव के बीच ऐसी कोई व्यवस्था नहीं हुई थी।

होटल के संपर्क अधिकारी रविंद्र सिंह ने अंबामाता पुलिस थाने में मामला दर्ज कराया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब की राजनीति को प्रभावित करेगी, राम रहीम की रिहाई

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 27 अगस्त। दुष्कर्म के मामलों में दोषी ठहराया गया गुरमीत राम रहीम सिंह के एक बार फिर रोहतक

- **राम रहीम को फरलो के तहत रिहाई मिली और बताया जा रहा है कि 2027 में पंजाब विधानसभा चुनावों के मद्देनज़र यह रिहाई महत्वपूर्ण है।**

की सुनारिया जेल से 21 दिन की फरलो पर बाहर आने पंजाब में डेरा सच्चा सौदा के प्रभाव, उसके चुनावी प्रभाव क्षेत्र और, सबसे महत्वपूर्ण, राम रहीम तथा वर्षों से जेल में बंद सिख कैदियों के साथ होने वाले अलग-अलग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नेपाल में तीन दिन में एक और बाढ़ आ सकती है?

चीन ने नेपाल को चेतावनी दी और कहा कि ग्लेशियर से आई बाढ़ और मिट्टी धँसने के बाद ऊपर की तरफ बैरियर झील ओवर फ्लो हो गई है और तीन दिनों में झील टूट सकती है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अगस्त। चीन ने नेपाल को तीन दिनों के भीतर एक और संभावित बाढ़ की चेतावनी दी है, क्योंकि ग्लेशियर से आई बाढ़ और मिट्टी के धंसने से बॉर्डर के इलाकों में तबाही मच गई थी। और इसके बाद ऊपर की तरफ एक बैरियर झील ओवरफ्लो हो गई है।

नेपाल-चीन सीमा पर एक और बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। चीन ने नेपाल को चेतावनी दी है कि ऊपरी इलाके में हाल में बनी एक झील अगले तीन दिनों में टूट सकती है और इससे पानी का तेज बहाव निचले इलाकों की ओर आ सकता है।

26 अगस्त को ग्लेशियर का एक

- **नेपाल के जल विज्ञान विभाग ने बताया कि बारिश के कारण बाढ़ नहीं आई थी। उपग्रह से प्राप्त तस्वीरों से पता चला है कि लिरूग के उत्तरी हिस्से में 5200 मीटर ऊपर एक ग्लेशियर का बड़ा भाग टूट कर भोटे कोशी की सहायक नदी लेंदे में गिर गया था।**
- **गिरती बर्फ और चट्टानों ने संकरी घाटी को ब्लॉक कर दिया, पर बाद में यह ब्लॉक टूट गया और फिर खतरनाक स्तर पर बाढ़ आ गई।**

हिस्सा टूटने से नेपाल की भोटेकोशी नदी में पानी का तेज और घातक बहाव आया था। इसी दिन एक भूस्खलन ने चीन के जिरोंग पोर्ट क्रॉसिंग को मलबे में दबा दिया था। यह क्षेत्र पहले से ही इन आपदाओं से जूझ रहा है और नई झील के टूटने की आशंका ने निचले इलाकों में फिर से बाढ़ आने का डर बढ़ा दिया है।

नेपाल के जल विज्ञान और मौसम विज्ञान विभाग (डीएचएम) का कहना है कि बाढ़ बारिश के कारण नहीं आई थी। उपग्रह से मिली तस्वीरों से पता चलता है कि लैंगटांग लिरुंग के उत्तरी हिस्से में करीब 5,200 मीटर की ऊंचाई पर ग्लेशियर का एक बहुत बड़ा हिस्सा टूट गया और करीब 1,200 मीटर नीचे गिरकर भोटेकोशी की सहायक नदी ल्हेंदे नदी में जा गिरा।

गिरती बर्फ और चट्टानों ने संकरी घाटी को प्राकृतिक बांध की तरह ब्लॉक कर दिया। इसके बाद यह बांध टूट गया और पानी, बर्फ और बड़े-बड़े पत्थरों से बनी गाढ़ी और कीचड़ भरी तेज धारा रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा और चितवन की ओर तेजी से बढ़ी।

उसी सुबह चीन के शिजांग क्षेत्र में जिरोंग पोर्ट के पास एक अलग भूस्खलन हुआ। यह नेपाल के साथ व्यापार के लिए एक प्रमुख सीमा मार्ग है। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यूपी के 62000 शिक्षक पात्रता परीक्षा में फेल हो गए

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अगस्त। उत्तर प्रदेश टीचर एलिजिबिलिटी टैस्ट (यू.पी.टी.ई.टी.) 2026 के नतीजों ने हजारों कार्यरत शिक्षकों के सामने एक

- **उत्तर प्रदेश टीचर एलिजिबिलिटी टैस्ट (2026) के नतीजे घोषित किए गए हैं। फेल होने वाले 62000 शिक्षक पहले से सेवारत हैं और अब इनकी नौकरी भी जा सकती है।**

बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है: जो शिक्षक परीक्षा में फेल हो गए, उनका क्या होगा? यू.पी.टी.ई.टी. 2026 में 13 लाख से अधिक उम्मीदवार पास हुए

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप की "कभी न हारने वाले विजेता" की छवि में भारी दरारें उभरने लगी है

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी पहचान वर्चस्व और जीत के इर्द-गिर्द बनाई थी, वे किसी का भी अपमान करने से नहीं हिचकने वाले नेता के रूप में जाने जाते रहे हैं, पर, अब लोग उन्हें हारने वाले नेता के रूप में देखने लगे हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अगस्त। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत हमेशा से उनकी, "कभी न हारने वाले विजेता" की छवि रही है। लेकिन अब उनकी इस छवि में दरारें पड़ने लगी हैं और जिस राष्ट्रपति ने अपनी पहचान वर्चस्व, अपमान और जीत के इर्द-गिर्द बनाई हो, उसके लिए इससे अधिक नुकसानदेह शायद कुछ नहीं हो सकता कि लोग उसे हारने वाले नेता के रूप में देखने लगें।

राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के

- **बिल क्लिंटन के कार्यकाल में श्रम मंत्री रहे अर्थशास्त्री लेखक रॉबर्ट राइश ने कहा कि ट्रंप की समस्या सिर्फ यह नहीं है कि उनकी कुछ नीतियाँ विफल हो रही हैं। मुख्य समस्या यह है कि ऐसा बार-बार हो रहा है।**
- **राइश ने ईरान वॉर का उल्लेख किया व कहा, ट्रंप ऐसे युद्ध में उतर गए जिसका ना तो उद्देश्य स्पष्ट रूप से तय था, ना ही उससे बाहर निकलने की रणनीति बनाई गई थी। उल्टे ट्रंप ने इस युद्ध के जरिए ईरान को और उग्र बना दिया है।**
- **राइश ने कहा, ईरान पर आर्थिक दबाव डालने की रणनीति भी सफल होती नहीं लग रही है, क्योंकि तेहरान के संबंध चीन के साथ हैं आर ईरान पर दबाव चीन को परेशान कर सकता है, तो ऐसे में चीन चुप नहीं बैठेगा।**

कार्यकाल में अमेरिका के पूर्व श्रम मंत्री, अर्थशास्त्री, लेखक और राजनीतिक टिप्पणीकार रॉबर्ट राइश ने अपने हालिया सबस्टैक कॉलम में तर्क दिया है कि ट्रंप की समस्या अब सिर्फ यह नहीं है कि उनकी कुछ नीतियां विफल हो रही हैं। समस्या यह है कि घटनाएं बार-बार उनकी शक्ति की सीमाओं को उजागर कर रही हैं।

राइश के इस तर्क के केन्द्र में ईरान है। उनके अनुसार, ट्रंप ऐसे संघर्ष में उतर गए, जिसका न तो उद्देश्य स्पष्ट रूप से तय था और न ही उससे बाहर निकलने की कोई स्पष्ट रणनीति थी। परिणामस्वरूप उन्हें ऐसे नतीजों का सामना करना पड़ रहा है, जिन्हें नियंत्रित करना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। राइश का मानना है कि ट्रंप ने जिस निर्णायक जीत का वादा किया था, उसके बजाय इस संघर्ष ने ईरान को और अधिक बाग़ी बनाया है, होर्मुज़ जलडमरूमध्य के आसपास जोखिम बढ़ा दिए हैं, और ऊर्जा कीमतों पर फिर से दबाव पैदा किया है।

इस बीच, ईरान को आर्थिक रूप से अलग-थलग करने की कोशिश के सामने एक स्पष्ट बाधा है। चीन जैसे देशों के पास तेहरान के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखने की क्षमता भी है और इसके

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने रक्षा बंधन व संस्कृत दिवस की शुभकामनाएँ दीं

जयपुर, 27 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रक्षाबंधन की प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के अटूट स्नेह, विश्वास

- **उन्होंने कहा रक्षा बंधन हमारी समृद्ध संस्कृति का परिचायक है।**

का प्रतीक होने के साथ ही हमारी समृद्ध संस्कृति का परिचायक भी है। यह त्योहार हमें याद दिलाता है कि भारतीय परंपरा में रिश्ते अहम और विशेष होते हैं, जिन्हें मन, कर्म और वचन से निभाया जाता है।

उन्होंने संस्कृत दिवस (श्रावण पूर्णिमा) के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संस्कृत विश्व की प्राचीन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)